THE AISMV BULLETIN

THE ENLIGHTENED MINDS

विशेष आकर्षण

- बच्चों के लेख
- प्रेरक कहानियाँ
- स्वरचित कविताएँ
- यात्रा वृतांत
- साक्षात्कार
- पुस्तक समीक्षा
- खाना खज़ाना
- चित्रशाला
- विशेष प्रार्थना सभाएँ
- उपलब्धियाँ

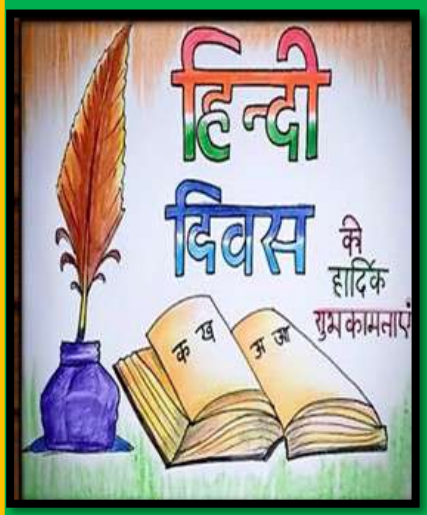

हिंदी भाषा नहीं भावों की अभिव्यक्ति है, यह मातृभूमि पर मर मिटने की भक्ति है। हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

इक्कीसवीं सदी में हिन्दी - डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान

इस सप्ताह हम हिन्दी दिवस मना रहे हैं । इस विशेष संस्करण में इस बार मैं आपसे हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के विषय में कुछ विचार साझा करुँगी । किसी भी देश की प्रथम पहचान उसकी भाषा होती है। भारत सौभाग्यशाली है कि यहाँ 22 आधिकारिक भाषाएँऔर 122 मुख्य भाषाओं के साथ विविध बोलियों का बाहुल्य है। हर भारतीय को आज भी याद है 1977 का वह दिन जब भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की जनरल असेंबली में हिन्दी में भाषण देकर विश्वभर में भारतीयों को अपनी भाषा पर गर्व करवाया। इस स्तम्भ के द्वारा मैं आपका ध्यान इस ओर केंद्रित करना चाहती हूँ कि हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं का ज्ञान 21वीं सदी में क्यों महत्त्वपूर्ण है। इससे बच्चों की स्मृति और और निर्णायक क्षमता भी बेहतर होती है। इसका स्पष्ट उदाहरण है अमिताशा। यहां बच्चों को हिंदी में ही शिक्षा दी जाती है। कई लोग मुझसे पूछते हैं कि उन्हें भी इंग्लिश माध्यम में क्यों नहीं पढ़ाया जाता? इसका कारण यह है कि ये बच्चियाँ हिन्दी परिवेश में पली-बढ़ी हैं और हिन्दी भाषा में विज्ञान और गणित के सिद्धांतों को समझ पाती हैं और बोर्ड परीक्षा एवं ओलम्पियाड जैसी विश्वस्तरीय परीक्षाओं में अव्वल स्थान हासिल करती हैं । इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि बच्चों को अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषाएँ न पढ़ाई जाएँ या पढ़ने में उन्हें माध्यम न बनाया जाए। उन्हें अंग्रेजी व अन्य भाषाएँ भी सिखानी चाहिए किन्तु हिन्दी को दर किनार करके नहीं अपितु हिन्दी के साथ उनका भी बोध कराने के मकसद से , ताकि वह विश्व पटल पर स्वयं को स्थापित कर सकें। अपनी भाषा का ज्ञान होने पर ही कोई डॉक्टर, इंजीनियर या नेता इत्यादि भली-भांति लोगों से बात कर उनकी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और अपने कर्तव्यों को पूर्ण कर सकते हैं क्योंकि यह भाषा सर्वसाधारण को समझ आती है। वैश्विकरण के युग में अंग्रेज़ी और अन्य विदेशी भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है किन्तु जिस प्रकार जड़ों से दूर होकर कोई वृक्ष नहीं पनप सकता उसी प्रकार हिन्दी से दूर होकर भारत के भविष्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती

हिंदी दिवस पर विशेष- प्रधानाचार्या की कलम से

हम सब का अभिमान है हिंदी, भारत देश की शान है हिंदी।

हम भारतीयों की शक्ति है हिंदी, एक सहज अभिव्यक्ति है हिंदी।

प्यारे बच्चों

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि हिंदी भाषा के विस्तार , प्रचार और प्रसार के लिए हमारी अध्यक्षा महोदया डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान जी हमेशा क्रियान्वित रहती हैं, ताकि हमारे छात्र अंग्रेजी भाषा के साथ-साथ हिंदी भाषा में भी महारथ हासिल करें तथा धारा प्रवाह एवं प्रभावपूर्ण हिंदी का वाचन कर सकें ।

हिंदी और संस्कृत भाषा में विद्वत्ता हासिल करने वाली हमारी अध्यक्षा महोदया जी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हिंदी में प्रतिवर्ष नाटक ,वाद विवाद ,लेखन, काव्य वाचन , शब्द प्रवाह प्रतियोगिता आदि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कराती हैं ताकि छात्रों का वाचन कौशल ,अभिनय कौशल एवम लेखन कौशल भलीभांति विकसित हो सके। साथ ही छात्रों का शब्द भंडार भी समृद्ध हो सकें।

हिंदी हमारी मात्र भाषा नहीं बल्कि हमारी मातृभाषा है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि हमारे ऐमिटी परिवार के सब बच्चे हिंदी में बातचीत करते समय शुद्ध उच्चारण करें। उनकी भाषा को सशक्त करने के विचार से साथ ही हिंदी भाषा के प्रति मेरे मन में होने वाले अटूट प्रेम के कारण यह उद्घोषणा करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि अब हम ऐमिटी मयूर विहार में प्रति मास अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी न्यूज लेटर का भी संपादन करेंगे। इसमें विद्यालय में होने वाली समस्त गतिविधियों को हिंदी में शामिल किया जाएगा।

आप सभी को हिंदी दिवस की शुभ कामनाएँ एवं आशीर्वाद।

EDITORIAL TEAM

Newsletter Incharge: Ms. Poonam Tyagi
Editing and Compiling: Ms. Poonam Tyagi
Co-Editor Shantam Neogi XB
Design & Concept: Ms. Poonam Tyagi
Graphic Editor : Mr. Deepak Kumar

विद्यालय में विशेष आयोजन

शब्दप्रवाह

ऐमिटी मयूर विहार ने मंगलवार, 26 सितंबर 2023 को कक्षा 7 के लिए 'श्रीमती लीलावती अंतर - ऐमिटी हिंदी शब्दावली क्विज़, शब्दप्रवाह' वर्चुअल लाइव क्विज़ के अंतिम राउंड की मेजबानी की। पंद्रह ऐमिटी स्कूलों के छात्रों ने पहले राउंड में भाग लिया, जो कि उन्मूलन चक्र था। एमएस फॉर्म पर. शीर्ष चार स्कोरर ने फाइनल लाइव क्विज़ के लिए अर्हता प्राप्त की जो एमएस टीमों पर आयोजित की गई थी। योग्य टीमें थीं, ऐमिटी पुष्प विहार , मयूर विहार , नोएडा , वसुंधरा 6

प्रतियोगिता हमारे मार्गदर्शक सम्मानित संस्थापक अध्यक्ष सर, श्री अशोक क. चौहान सर, और आदरणीय अध्यक्षा महोदया, डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान मैम के शुभाशीष लेने के साथ शुरू हुई , शुभ दीपक प्रज्ज्वलित किया गया और स्कूल गायक मंडल द्वारा सर्वशक्तिमान का आह्वान करते हुए मन को शांति देने वाली प्रार्थना प्रस्तुत की गई। प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू कंवर ने सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता प्रारम्भ होने की घोषणा की। इवेंट को-ऑर्डिनेटर श्रीमती सुनीता चोपड़ा ने अपने प्रेरक शब्दों से उन्होंने विजेताओं को बधाई दी। छह कठिन राउंड आयोजित किए गए, और प्रत्येक दौर के बाद स्कोर साझा किए गए। प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। यह प्रतियोगिता उपस्थित सभी लोगों के लिए ज्ञानवर्धक और समृद्ध थी। विषय विशेषज्ञ श्रीमती अनुराधा सक्सैना इस अवसर पर उपस्थित थीं। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई दी तथा अपने ज्ञानपूर्ण शब्दों से उन्हें प्रोत्साहित एवं प्रेरित किया। कार्यक्रम बहुत सफल रहा |

संस्कृत प्रतियोगिता" सुभाषिका"

29 सितम्बर 2023को ऐमिटी मयूर विहार में संस्कृत प्रतियोगिता" सुभाषिका" का आयोजन हुआ। दीप प्रज्ज्वलन और मंत्रोचारण की पवित्र ध्वनि के साथ कार्यक्रम का शुभ आरम्भ हुआ।

हिंदी और संस्कृत भाषा में विद्वत्ता हासिल करने वाली हमारी अध्यक्षा महोदया डॉ अमिता चौहान जी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हिंदी में तो अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कराती ही हैं साथ ही साथ संस्कृत भाषा के उत्थान एवं अभ्युदय के लिए भी ओलम्पियाड ,श्लोक गायन एवं सुभाषिका जैसे अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कराती हैं ,ताकि छात्रों में अच्छे संस्कारों के साथ साथ नैतिक मूल्यों का भी विकास हो सके। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू कँवर जी ने प्रेरणार्थक , आशीर्वचन देकर सभी छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

इस प्रतियोगिता में ऐमिटी की (दिल्ली /NCR) सभी शाखाओं के कक्षा 6 से 10 तक के छात्र सम्मिलित हुए । प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई . वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 -10)और कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 -8)। जहां वरिष्ठ वर्ग ने भागवत पर आधारित लघुनाटिका प्रस्तुत करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया वहीं कनिष्ठ वर्ग ने मधुर ध्वनि से " वेद मन्त्रोच्चारण " प्रस्तुत करके सबके श्रवणरन्ध्रों में मिश्री सी घोल कर उन्हें हतप्रभ कर दिया । इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर सभी ने स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। बच्चों का जोश , रोमांच और उत्साह दर्शनीय था ।प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा -

वरिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार - साकेत , द्वितीय पुरस्कार - मयूर विहार , तृतीय पुरस्कार - पुष्प विहार , सांत्वना पुरस्कार - वसुंधरा 1

कनिष्ठ वर्ग में प्रथम पुरस्कार - मयूर विहार , द्वितीय पुरस्कार - गुरुग्राम, तृतीय पुरस्कार - वसुंधरा 6, सांत्वना पुरस्कार - गुरुग्राम 43

हिंदी दिवस विशेषाँक

हिंदी दिवस पर विशेष -हिंदी विभाग की ओर से

हम भारतीय सभी भाषाओं का करते हैं सम्मान ,

पर हिंदी ही है हमारी पहचान।

ऊँचाई के शिखर पर हिंदी को पहुँचाओ

हिंदी की पहचान पूरी दुनिया में बनाओ।

हर साल 14 सितंबर को हम हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं ,इस दिन का हमारे लिए अत्यधिक महत्व है।
स्वतंत्रता संग्राम के बाद ,हमारे देश ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को अपनी राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसके बाद ,हर साल हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1953 से हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने से हम अपनी भाषा के प्रति गर्व महसूस करते हैं और हमारे संस्कृति और एकता को साझा करते हैं।

हम सभी जानते हैं कि भारत विविधताओं से भरा देश है ,जहाँ अनेक भाषाएँ , जातियाँ , और संस्कृतियाँ मिलती हैं। इतनी विविधताओं के बाद भी हिंदी भाषा वह माध्यम है जो हम सभी को एक साथ आने का और एकता के सूत्र में बंधने का रास्ता दिखाती है। हम भारतीय इस विविधता में एकता की शक्ति को समझते हैं और हिंदी को एक माध्यम के रूप में सराहते हैं ,जो हमारे सभी भारतीय बंधनों को मजबूत बनाता है।
आज के समय में अन्य भाषाएँ भी महत्वपूर्ण हैं ,लेकिन हिंदी भाषा का अपना विशेष स्थान है। जैसे कि आपकी मां का स्थान कोई और नहीं ले सकता ,वैसे ही हिंदी भाषा का स्थान भी कोई और नहीं ले सकता है। हिंदी हमारी भाषा है ,हमारी आत्मा का हिस्सा है ,और हमारी पहचान है।

ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोग हिन्दी बोलने में शर्म महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर वो हिन्दी भाषा का इस्तेमाल करेंगे तो लोग उन्हे गंवार समझेंगे ,हमें इस सोच को बदलने की जरूरत है और यह समझने की जरूरत है कि हिन्दी हमारे शर्मिंदा होने का नहीं ,बल्कि गर्व करने का कारण है। अपने भावों की अभिव्यक्ति हम अपनी मातृभाषा के अलावा किसी ओर भाषा में उतने अच्छे से नहीं कर सकते हैं। कोई और भाषा हिंदी का स्थान नहीं ले सकती हैं।

देश की शान है हिंदी, देश की पहचान है हिंदी, क्योंकि हर भारतीय के दिल में विराजमान हैं ' हिंदी ' ।

पूनम त्यागी

विद्यार्थियों के लेख

वीर गाथा

मेरे सुपने में झांसी की महान रानी, रानी लक्ष्मी वार्ड आई और उन्होंने मुझे देश की सेवा करने का संदेश दिया। जब हम रानी लक्ष्मी बाई का नाम लेते है जो हमारे मन में महान वीरता, त्याग, ज्ञान और प्रेरणा की छवि उभरती है। रानी लक्ष्मी बाई अत्यंत बहादुरी और सच्ची देशभक्ति वाली पहली महिला योद्धा थीं। जिन्होंने स्वराज के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ाई लड़ी। वह एक गौरवशाली चरित्र है जिसकी मैं राष्ट्र के प्रति योगदान और बहादुरी के लिए प्रशंसा करती हूँ।
यह मेरा सपना मेरे लिए सुखद था, क्योंकि मैंने एक प्रेरणादायक चरित्र को देखा, मैंने देखा कि वह मेरे कान में फुसफुसाई, "हमारे देश की सेवा करो"। नींद से जागने के बाद भी उनकी आवाज मेरे कानों में गूंज रही थी, मैं समझ गई कि यह हमारे जीवन लक्ष्यों को स्पष्ट संकेत था। उन्होंने मुझे अपने देश की सेवा करने के उद्देश्य को पूरा करने का रास्ता दिखाया।
रानी लक्ष्मी बाई का जन्म के समय उनका मूल नाम, मणिकर्णिका तांबे था। बाद में महाराजा गंगाधर राव नेवलाकर से शादी के बाद रानी लक्ष्मी बाई बन गई, वह बचपन से ही कई मायनों में अनोखी थी उन्होंने, घुड़सवारी, तलवार और निशाने बाजी की सभी विधाएं सीखी। वह नाना साहब, तातिया टोपे आदि के साथ इन गति विधियों का अभ्यास और खेल करती थी। उन्होंने लंदन में अंग्रेजों के खिलाफ पैरवी की लेकिन अपने मकसद में असफल रहीं और 1857 के विद्रोह के साथ सामने आयी, जिसे 1857 का विद्रोह भी कहा जाता है। वह युद्ध के मैदान में साहस और बड़ी वीरता के साथ लड़ी। वह बिना किसी डर के अकेले ही मृत्यु तक लड़ती रही। इस महान महिला ने मात्र 29 वर्ष की आयु में अपने देश के लिए जान गंवा दी। उनकी अदम्य भावना मुझे बहुत प्रेरित करती है।
रानी लक्ष्मी बाई को जब मैंने सपने में देखा, मुझे अपने देश की सेवा करने का स्पष्ट दृष्टिकोण मिला है।उनकी वीरता, साहस, देश के लिए आत्मसमर्पण हमें प्रेरित करते हैं । उसी तरह में रानी लक्ष्मी बाई के नक्सेकदम पर काम करने की भावना, उत्साह, प्रेम और गहरी देश भक्ति का एहसास करसकती हूँ। मैं रानी लक्ष्मी बाई की छवि और कहानी के माध्यम से खुद को परिभाषित कर सकती हूँ। उन्होंने मुझे सच्चा रास्ता दिखाया जो मुझे अपने देश की सेवा करके मिलेगा। इसलिए, मैंने अपने सपने का पालन करने और रानी लक्ष्मी बाई द्वारा मुझसे कहे गए शब्दों को निभाने का फैसला किया है।
हम सभी व्यक्तिगत तरीकों से अपने राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। सकारात्मक बदलाव लाने के का एक छोटा सा कदम भी समग्र विकास में बड़ा प्रभाव डाल सकता है। जैसे मैं कम से कम अपने पड़ोस में पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए कदम उठा सकती हूँ। मैं अपने परिचित लोगों को स्वच्छ पर्यावरण के हमारे जीवन में पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जागरूक कर सकती हूं। ताकि वे भी इसमें भाग ले। नए पेड़ लगाने के महत्त्व के बारे में अपने ज्ञान से जागरुकता फैला सकती हूं। हम सभी बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के विविध प्रभावों से चिंतित तो है, लेकिन समय रहते जरुरी कदम नहीं उठाते है।
जब कोई राष्ट्र कल्याण के लिए काम शुरू करता है जो दूसरे को भी उसकी आवश्यकता और मूल्य महसूस होता है। यदि पहला कदम मुझे उठाना है, तो मैं आगे बढ़ने और अपने देश के लोगों को सुखी स्वस्थ जीवन प्रदान करने के अपने लक्ष्यों को पूरा करने को तैयार हूँ। मै अपने लक्ष्य को पूरी लगन और साहस से हासिल करना चाहती हूं, ताकि दूसरे को प्रेरणा मिल सके। मैं सरकार की अच्छी सेवाओं और सुविधाओं के साथ अपने देश के लोगों की सेवा करने के लिए सार्वजनिक सेवा में शामिल हो सकती हूँ। मैं किसी भी परिस्थिति में देश के लोगों को दुश्मनों से बचाने के लिए देश की रक्षा टीम का हिस्सा बन सकती हूँ।
मैं वादा करती हूं कि मैं अपनी मातृभूमि की सेवा करने के अपने लक्ष्य पर अटल रहूँगी। रानी लक्ष्मीबाई के माध्यम से मुझे जीवन का लक्ष्य मिला है, जिसे मैं किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं कर सकती। मुझे बड़ी खुशी मिलती है जब मैं दूसरों के लिए कुछ कर पाती हूँ,अब मेरे जीवन का बड़ा उद्देश्य मुझे बुलाना है, जिसे मैं अपने सभी कार्य चरणों में रानी लक्ष्मी बाई के दर्शन, ज्ञान,सकारात्मकता, साहस और बुद्धिमत्ता का पालन करूंगी। मैं अपने देश के लोगों को खुशी और संतुष्टि के साथ के मुस्कुराते देखना चाहती हूं। मैं अपने देश में बदलाव लाने की इस बड़ी यात्रा में अपने समकक्षों का भी स्वागत करना चाहती हूं। मुझे यकीन है कि यदि आदर्श योजना के साथ मिलकर काम करेंगे तो हम जल्दी ही एक विकसित राष्ट्र बनने में सफल होंगे।

ऋषिमा सक्सेना
X B

हिंदी दिवस विशेषाँक

विद्यार्थियों के लेख

एक लेखिका के साथ साक्षात्कार

आज मैं आपको एक अद्भुत लेखिका से मिलाऊँगा और उनसे कुछ सवाल कर लेखिका के मन की सुनाऊँगा। इन लेखिका से मैं बहुत प्यार करता हूँ क्योंकि यह मेरे दिल के बहुत करीब हैं।

अहान - नानी! आपने लिखना कैसे शुरू किया?
बेला- मन में बहुत से विचार आते थे और जीवन में अनुभव भी न्यारे थे। इन्हीं सब को साथ लेकर लिखना शुरू किया।
अहान - आप किस विषय पर लिखती हैं?
नानी - मैं जीवन के अनुभवों तथा अपने विश्वास को ही आधार मान कर लिखने का प्रयास करती हूँ।
अहान - कैसा विश्वास?
बेला - मेरा शिरडी साईं बाबा पर अटूट विश्वास है और वही मेरी लेखनी के प्रेरणा स्रोत हैं।
अहान - आप साईं बाबा के बारें में क्या लिखती हैं?
बेला - जीवन की राह पर उनसे प्राप्त सुख भरे अनुभव तथा जीवन पथ पर वह किस तरह हमेशा हमारे साथ है- कभी प्रकृति बनकर, कभी अन्य जीवों में, कभी किसी लेखनी में, तो कभी किसी के शब्दों में। अहान! आपके रूप में भी।
अहान- आप लिखने के लिए पहले क्या पढ़ती हैं और फिर लिखती हैं?
बेला - नहीं, यह मेरे दिल की गहराई से निकले भाव हैं।
अहान- आप अंग्रेजी और हिंदी में से किस भाषा में लिखती हैं?
बेला - दोनों ही भाषाओं में परन्तु जब कविता लिखती हूँ तब शब्दों की माला हिंदी में पिरोई जाती हैं।
अहान- आप कितनी पुस्तकें लिख चुकी हैं?
बेला - अभी तक 10 (अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं को मिलाकर)
अहान- अरे वाह! क्या आप आगे भी लिखेंगी?
बेला - लिखना मुझको बहुत संतोष एवं ख़ुशी प्रदान करता है। यह प्रयास तो जारी रहेगा।
अहान- आप अपनी लेखनी से क्या कहना चाहती हैं?
बेला - मन में सदा विश्वास रखो जीवन में खुश रहो एवं मुस्कुराते रहो। प्रभु आपके साथ है।
अहान- आप अपनी पुस्तकें पढ़ने वालों से कुछ कहना चाहेंगी?
बेला - पुस्तके पढ़ो और उसमे छिपे गहरे भाव को बटोरो और जीवन में इस तरह उतारो कि जीवन ख़ुशी से भयरहि, भगवान् में विश्वास के साथ बीते।
अहान-शुक्रिया नानी! हम कामना करते हैं कि आप ऐसे ही लिखती रहें और संसार में प्रेम बाँटती रहें।
बेला - शुक्रिया अहान! नानी आपसे बहुत प्यार करती है!

अहान रल्ली
II B

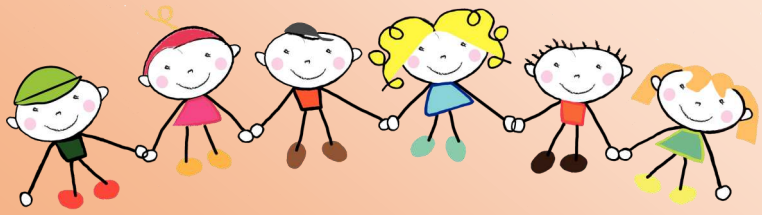

यह मेरी प्यारी नानी - श्रीमती बेला शर्मा जी।

रानी लक्ष्मीबाई मेरे स्वप्न में आई

रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक महत्त्वपूर्ण योद्धा थीं। जब वे मेरे स्वप्न मेंआई, तो मेरे लिए मानो उनकी सेवा के लिए अपने जीवन का समर्पण करने का संकेत था।

लक्ष्मीबाई की महानता, उनका शौर्य और उनकी वीरता ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने योद्धाओं के साथ ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ लड़कर वीरता दिखाई, और उन्होंने देश के लिए अपना जीवन कुर्बान किया।

उनकी प्रतिस्पर्धा और इच्छा ने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि चाहे मैं किसी भी क्षेत्र में जाऊँ मैं भी देश की सेवा करूँ। .चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। उनका चरित्र मुझे सिखाता है कि संघर्ष और समर्पण ही जीवन में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

हिरवा परमार
IV A

हिंदी दिवस विशेषाँक
स्वरचित कविताएँ

श्राद्ध पर्व

श्राद्ध के दिन किसी पर्व से कम नहीं
कोई मनाए तो ठीक, नहीं तो गम नहीं
कहते हैं इन दिनों पूर्वज धरती पर आते हैं ,
काक और गौ के रूप में अपना ग्रास खाते हैं।
पूर्वजों की याद में लोग ब्रह्मभोज कराते हैं,
बस यूं ही बिना कुछ जाने परंपरा निभाते हैं।

मान्यता है कि हमारे पूर्वज भौतिकसुखों के दाता हैं,
क्या वास्तव में यही सांसारिक तृष्णाओं के सच्चे विधाता हैं।
इनको प्रसन्न रखें तो संसार में सब कुछ मिलता है!
यह बात सत्य है? या कोरी दिलासा है ।

क्या यह पर्व हम स्वार्थ हेतु ही मनाते हैं?
क्या अपने बच्चों को हम पितृपक्ष के विषय में बताते हैं ?
यदि नहीं , तो आज ही यह संकल्प लीजिए,
अपनी भावी पीढ़ी को श्राद्ध पक्ष का महत्व बताइए ।
यदि आप स्वयं इसका महत्व नहीं जानते
तो, कृपया जानने का प्रयास कीजिए ।
अपनी संस्कृति का सम्मान कीजिए
अपने संस्कारों का दामन थामिए।
आखिर बिना संस्कृति को जाने ,कब तक मना पाएंगे यह पर्व
अपनी सभ्यता और संस्कृति पर होना चाहिए हमें गर्व।
यदि आप ही अपने प्रिय जनों को भूल जाएंगे,
तो आपके जाने के बाद क्या आपके बच्चे आपको याद रख पाएंगे।
यह संसार तो कर्म फल पर चलता है,
और कर्मों के आधार पर ही भाग्य बनता और बिगड़ता है ।
तो आइए हम सब यह पर्व उत्साह से मनाएं
अपनी प्राचीन परंपरा को विलुप्त होने से बचाएं।।

पूनम त्यागी (हिंदी विभाग)

सूर्य

भय के समुद्र में मत डूब तू
आगे बढ़ ना रूक तू
चाह की अग्नि में जलकर
सूर्य की तरह चमक तू

है घना जंगल, तूफान बड़ा
अपने अंदर चाह का उफान बना
आगे चल, चल ही चल
और सूर्य की तरह चमक तू
काले बादलों का है घूंघट
घूंघट फाड़, पासा पलट
सत्यवादी बन चल, खत्म कर छल-कपट
और सूर्य की तरह चमक तू

नित्या शर्मा

देश के लिए जो जीते

देश के लिए जो जीते हैं
देश के लिए मर जाते हैं
शौर्यचक्र अशोकचक्र वीर महावीर पाते हैं
शहीद अमर हो जाते हैं

चीन के छक्के छुड़ाकर
मेजर शैतान सिंह परमवीर पद पाते हैं
वीरता की उनकी युग -युग गाथा गाते हैं

हँसते हँसते आते हैं
शान से तिरंगें में वे जाते हैं
हर भारतीय की आँख नम करते
सारे देश का गौरव बन जाते हैं।

प्राकृत कोठारी (III A)

प्रकृति

कभी इन घने जंगलों में

तो कभी इन हसीन वादियों में

मैं मानो खो सी जाती हूँ ।

ओ ! प्रकृति मैं तुम्हारी इस कायकल्प को

बस ताकती रह जाती हूँ।

तुम्हारे हर कण में जीवन बसता हैं,

"तुम्हारे गर्भ में यह जग पनपता है।

यह जग तुम्हारी ही देन है,

मुझे तुम्हारे हर रूप से प्रेम है।

तुम पालनहार हो , तुम ही विनाश करने वाली हो,

तुम ही से कल था ,आज है, तुम ही से कल होगा ।

सचमुच तुम ही जीवन का आधार हो।

तुम ही जीवन का आधार हो।

तनवी पुरी 9 C

अध्यापक बने सिंकदर

सिर्फ एक अध्यापक नही हूँ मैं..... मैं तो एक सिंकदर हूँ।
इस कर्मभूमि पर बढ़ता एक योद्धा निरंतर हूँ।
मुझे डराती विस्मित कर जाती ये नई तकनीक
क्या जीता होगा सिकंदर ने देश ऑनलाइन पढ़ा कर
करली, निश्चित कर ली हमने अपनी जीत
सिर्फ अध्यापक नहीं हूँ मैं, मैं तो एक सिंकदर द अध्यापक हूँ।
अपना सारा स्नेह दिया, अपना सारा ज्ञान दिया
फिर भी कोई शिकन नहीं जो कभी सम्मान ना मिला...
अध्यापक नही हूँ मैं....मैं तो एक सिंकदर हूँ।
जिन बच्चों के लिये हम सारी जिंदगी एक सीढ़ी बन जाते हैं.
आज वही बच्चे हमारे सामने से झुकने से भी कतराते हैं
पर इसका मुझे कोई अफसोस नहीं,
अपने अध्यापक होने पर मुझे घमण्ड क्योंकि
भरे बाजार जब बच्चा पैर छू के कहता है,
मेम पहचाना? मैं हूँ आपका पूराना स्टूडेंट।
किया क्या इतने सालो में इसका हमें जबाब मिल जाता है
क्योंकि वो बच्चा अपने प्यार में मेरे कर्मों का सबाब दे जाता है।
सिर्फ अध्यापक नही हूँ मैं ....मैं तो एक सिंकदर हूँ ।
मैंने कभी नहीं देखा अपने बच्चों को बढते हुए।
और कई बार छोड़ा है उनकी सुबह बुखार में तड़पते हुए
फिर भी मैं 'स्कूल आकर मुस्करा लेती हूँ,
क्योंकि तुम बच्चों में मैं 'उनको' पा लेती हूँ ।
सिर्फ अध्यापक नहीं मैं ....मैं तो एक सिंकदर हूँ।
सम्मान के हम हकदार कुछ बच्चे पीठ पिछे यही जताते हैं।
फिर क्यों अपने सवालों के जबाबों में हमें गोविंद से ऊपर बताते हैं।
सिर्फ एक अध्यापक नही हूँ मैं.... मैं तो एक सिंकदर हूँ।
उस सिंकदर की तरह कुछ भी नही जायेगा मेरे साथ
पर हैरानी तो तब होगी देखकर उस अंतिम विदाई में भी
लाल स्याही से भीगे हुए होंगे मेरे हाथ
भीगे हुए होंगे मेरे हाथ
सिर्फ अध्यापक नही हूँ मैं मैं तो एक सिंकदर हूँ।

सुष्मिता रॉय

हिंदी दिवस विशेषाँक
यात्रा वृत्तांत

छुट्टी हो तो ऐसी!

परिवार के साथ गर्मी में ठंडक का एहसास बहुत आनंदपूर्ण होता है । स्कूल की छुट्टी थी तो मैंने और मेरे परिवार ने मसूरी जाकर कुछ दिनों के लिए आनंद उठाने की सोची।

मुझे पहाड़ों का टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता मज़ेदार लगा, फिर ठंडी हवा ने मन को खुशी से भरा । माल रोड की सैर, कैमल्टी फॉल में भीगना, रोपवे में पहाड़ों के बीचोबीच चढ़ना- उतरना तो बहुत ही रोमांचक था। बोटिंग में पैडल मारने की कोशिश और अपने छोटे भाई के साथ पकड़न- पकड़ाई का मज़ा भी न्यारा था।

होटल में रहकर जो चाहे वही मँगवाकर खाने में बड़ा मज़ा आया। वहाँ मैंने दो दोस्त भी बनाए, ऐन्ना और खरगोश जो दो कुत्ते थे हर तरफ हरियाली और पहाड़ की ठंडक सब मेरी यात्रा के मजेदार साथी थे। पहाड़ों की मैगी और भुट्टे ने तो मजे में और चार चाँद लगा दिए | पता ही नहीं चला कैसे तीन दिन बीत गए।

घर जाने का मन तो बिल्कुल नहीं कर रहा था पर छुट्टियों के अंत से पहले लौटना ही था, तो हम निकल पड़े दिल्ली के लिए। पर सच में बहुत मज़ा आया और मन में यही गीत गुनगुनाया -

"मसूरी बहुत मन भाया,
परिवार के साथ बहुत आनंद छाया
नए-नए अनुभव लेकर, मैं खुशी - खुशी घर लौट आया।"

मसूरी को कहते हैं पहाड़ों की रानी"
तो यह थी मेरे सफ़र की छोटी सी कहानी।

अहान रैली
II B

पुस्तक समीक्षा

'मैला आँचल' - फणीश्वर नाथ रेणु की हिंदी कहानी का मनोरंजन

पुस्तक: मैला अचल
लेखक: फणीश्वर नाथ रेणु

'मैला आँचल'' नामक यह उपन्यास हिंदी साहित्य का एक शानदार रत्न है, जिसे लेखक फणीश्वर नाथ रेणु ने हमें पेश किया है। यह पुस्तक हमें अपनी जीवन की महत्वपूर्ण क्षणों को एक नए दृष्टिकोण से देखने का मौका देती है और हमारी धार्मिक और सामाजिक विचार धारा पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

यह कहानी बिहार के एक छोटे से गाँव 'मैला' में होती है, जो गाँव के लोगों के जीवन की वास्तविकता को छूने का प्रयास करती है। इस कहानी के मुख्य पात्र हमारे नायक 'आँचल' हैं, जो अपने गाँव के साथी और साथियों के साथ अनगिनत संघर्षों का सामना करते हैं। फणीश्वर नाथ रेणु ने इस कहानी को इस प्रकार से लिखा है कि हमारे नायक के माध्यम से हम उनके आंदर की लड़ाइयों, संघर्षों, और विजयों को अनुभव कर सकते हैं।

रेणु जी की लेखनी में विशेष बात यह है कि वह अपनी कहानी के प्रत्येक पात्र को अत्यंत सजीवता से चित्रित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पढ़ने वाला पाठक उनसे जुड़ सकता है। उनकी विविध भाषा और रूचिकर कथा-रचना आपको लुभा देतीहै।

इस किताब में व्यक्त किए गए सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दे हमारे लिए एक सीखने का संदेश भी हैं। यह हमें यह दिखाता है कि हमें अपने गाँवों और समुदायों के बदलते दृश्यों के साथ कैसे लड़ने की क्षमता होनी चाहिए और हमें अपने मूल्यों और संस्कृति के प्रति कैसे सावधान रहना चाहिए।

'मैला आँचल' एक शानदार कहानी है, जिसमें समाज के मुद्दे, व्यक्ति की आत्म-समर्पण और सफलता के लिए की जाने वाली जीवन की सख्ती को सुंदरता से प्रस्तुत किया गया है। इस पुस्तक को पढ़कर आपके जीवन बदल सकता है और आपको सोचने का एक नया दृष्टिकोण प्रदान कर सकती है।

इसलिए, मैं इस पुस्तक का पढ़ने का सुझाव देता हूँ, खासकर उन छात्रों को जो हिंदी साहित्य के प्रति रुचि रखते हैं। 'मैला अचल' एक आदर्श कहानी है जो हमें हमारे मूल्यों और जीवन के महत्वपूर्ण मुद्दों को समझने का एक सुंदर तरीका सिखाती है।

शांतम नियोगी
X B

संगत का असर

हरि एक 15 साल का लड़का और एक चोर था। एक दिन उसकी मुलाकात 25 वर्षीय अनिल से हुई। हरि ने अनिल को दोस्त बना लिया और उसके साथ रहने लगा गया। हरि हर समय अनिल को लूटने की योजना सोचता रहता। अनिल एक है दयालु लड़का था। वह दृष्टि को खाना बनाना, पढ़ना और लिखना सिखाता था। एक दिन अनिल की अच्छी कमाई हुई और उसे बहुत पैसे मिले। उसने घर आकर पैसे अलमारी में रख दिए । हरि को चोरी का मौका मिल गया। जैसे ही अनिल सो गया, वैसे ही हरि ने पैसे चुराए और ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन आग वह ट्रेन रेलगाड़ी में चढ़ने ही वाला था कि उसे अपनी गलती का एहसास होने लग उसे याद आने लगा कि अनिल उसकी कितनी मदद करता था। वह वापिस अनि के घर आकर सो गया। अगले दिन अनिल ने थोडे पैसे हरि को दिए तब हरि ने अपनी गलती अनिल को बताकर माफ़ी माँगी। उसे इस गलती पर बहुत पछतावा था। अनिल ने हरि को माफ कर दिया और उसे पढ़ाता रहा। हरि अनिल से सीख कर गरीब बच्चों को भी पढ़ना, लिखना सिखाता और भूखे बच्चों को खाना खिलाता। बड़े होकर हरि एक पुलिस ऑफिसर बन गया। अनिल के स्वभाव ने हरि को पति परिवर्तित कर दिया।

सीख - हमें हमेशा अच्छी संगति में रहना चाहिए क्योंकि बुरी संगति हमें भी बुरा बना देती है।

ख़ुशी सिन्हा
XC

रहस्य -लेखिका- रॉन्डा बर्ने (Rhonda Byrne)

यह पुस्तक आकर्षण के नियम पर आधारित है। इस पुस्तक में बताया गया है कि आपके जीवन में जो चीजें आ रही हैं उन्हें आप अपने जीवन में आकर्षित कर रहे हैं! और वे उन तस्वीरों द्वारा आपकी और आकर्षित हो रही हैं, जो आपके मस्तिष्क में है। आपके मस्तिष्क में जो भी चल रहा है उसे आप अपनी और आकर्षित कर रहे हैं! रहस्य जिसे आकर्षण का नियम नाम दिया गया है, यह बताता है कि समान चीजें समान चीजों को आकर्षित करती है! आप सचमुच क्या चाहते हैं? उस चीज को एक कागज पर लिख लें! वर्तमान काल में लिखें! आप यह लिखकर शुरू कर सकते हैं, "कि मैं इस समय इसलिए इतना खुश और कृतज्ञ हूँ क्योंकि .... "और फिर स्पष्ट करें कि आप अपने जीवन के हर क्षेत्र को कैसा बनाना चाहते हैं! आपको बार - बार माँगना की जरूरत नहीं है! बस एक बार माँगना ही काफी है! यह किसी केट्लोग से ऑर्डर देने जैसा है! पहला कदम सिर्फ इस बारे में स्पष्ट होना है कि आप क्या चाहते हैं! अगर आपने अपने दिमाग में स्पष्ट कल्पना कर ली है, तो आपने मांग लिया है! इस पुस्तक में यह बहुत ही सुन्दर और सरल तरीके से बताया गया है कि आखिर हम अपनी मनचाही वस्तु को आकर्षण के नियम के द्वारा कैसे प्राप्त कर सकते है! यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए लाभदायक है जो अपनी लाइफ को बदलना चाहता है! यह हर उस व्यक्ति को मदद करती है जो नकारात्मकता से ग्रसित है! यदि आप इस पुस्तक के रहस्यों का प्रयोग करते हैं तो आप अपने जीवन में प्रचुर मात्रा में दौलत को आकर्षित कर सकते हैं! व्यापार हो या बिज़नेस हर क्षेत्र में मनचाही सफलता हासिल कर सकते हैं! दुनियाँ में ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने जाने या अनजाने में इस रहस्य के प्रयोग द्वारा प्रचुर मात्रा में दौलत और सफलता प्राप्त की है! यदि आप बीमार है तो इस रहस्य के प्रयोग द्वारा स्वस्थ हो सकते है, बशर्ते आपको इस पुस्तक के रहस्यों का प्रयोग करना आना चाहिए! इस पुस्तक में बताया गया है कि हम वर्तमान में जो है वो हमारी पूर्व सोच का परिणाम है तो जब कोई एक्सीडेंट होता है या फिर किसी के साथ कोई घटना घटित होती है तो क्या वह सब उनकी पूर्व सोच का परिणाम है? इस रहस्य को समझने के लिए एक बार इस पुस्तक को अवश्य पढ़ना चाहिए।

पूनम त्यागी (हिंदी विभाग)

आवश्यक सामग्री:

- मैदा- 1.5 कप,
- शक्कर- 1/2 कप से थोड़ी ज्यादा (पिसी हुई),
- दूध - 1/2 कप से थोड़ा ज्यादा,
- मक्खन- 1/2 कप से थोड़ा ज्यादा (पिघला हुआ),
- कन्डेन्स्ड मिल्क- 1/2 कप,
- टूटी फ्रूटी- 1/2 कप,
- काजू- 1/2 कप,
- अखरोट- 1/2 कप,
- किशमिश- 1/2 कप,
- बादाम- 1/2 कप,
- बेकिंग पाउडर- 01 छोटा चम्मच,
- बेकिंग सोडा- 1/2 छोटा चम्मच।

- फ्रूट केक रेसिपी के लिए सबसे पहले बादाम, काजू और अखरोट को छोटे-छोटे पीस में काट लें और किशमिश के डंठल तोड़ कर उन्हें कपड़े से साफ कर लें। अब मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा मिला दें और उसे अच्छी तरह से छान लें।
- एक प्याले में पिघला हुआ मक्खन, पिसी हुई शक्कर, कन्डेन्स्ड मिल्क मिला दें और अच्छी तरह से फेंट लें। जब यह मिश्रण फूला हुआ दिखाई देने लगे तो समझ जाएं कि मिश्रण अच्छी तरह से फिंट गया है।
- अब तैयार मिश्रण में आधा दूध डालें और फिर से फेंट लें। उसके बाद मिश्रण में आधा मैदा डालें और पुन: फेंटें। फिर एक बार बचा हुआ दूध डालकर और फिर एक बार बचा हुआ मैदा डाल कर मिक्स कर लें। उसके बाद कटे हुये ड्राई फ्रूट, किशमिस और टूटी फ्रूटी डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब ओवन को 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर प्रीहीट कर लें। उसके बाद केक बनाने वाले बर्तन की अंदर की सतह पर मक्खन/तेल लगाकर चिकना कर लें। बर्तन के तले के साइज का एक बटर पेपर काट कर उसकी सतह पर रखें और उसमें भी मक्खन/तेल लगा दें। अब बर्तन में तैयार मिश्रण डाल दें और उसे ओवन में रख कर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पच्चीस मिनट के लिये सेट कर दें।
- तय समय के बाद ओवन को खोल कर देखें। तैयार केक हल्के भूरे रंग का दिखना चाहिए। यदि वह तैयार लग रहा है, तो उसमें चाकू गड़ा कर देखिए। यदि चाकू बाहर निकलने पर चाकू में केक चिपकता नहीं है, तो केक तैयार है।
- लीजिए, फ्रूट केक बनाने की विधि हिंदी में कम्प्लीट हुई। अब आपका एगलेस फ्रूट केक तैयार है। इसे मनचाहे आकार में काटें और सर्व करें।

-अतिशय जैन

हिंदी दिवस विशेषाँक

चित्रशाला

अनन्या राय

नंदना सिंह (7C)

रिद्धिमा भट्ट (6B)

सानवी जैन (7C)

वंशिका चतुर्वेदी

विशेष प्रार्थना सभाएँ

स्टैंडर्ड्स क्लब मास असेंबली

दिनांक: 21.07.2023 (शुक्रवार) स्टैंडर्ड्स क्लब सामूहिक सभा का आयोजन हुआ .

स्टैंडर्ड्स क्लब की सामूहिक सभा में हमारी आदरणीय प्रधानाचार्या महोदया सुश्री मीनू कंवर , बीआईएस संरक्षक- डॉ. एस.के. सिंघल ने भाग लिया। सिंघल सर, सुश्री जसलीना कोहली और सुश्री सुनीता चोपड़ा और भारतीय मानक ब्यूरो से श्री डी.के. नैय्यर कार्यक्रम में उपस्थित थे

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत सत्कार से हुई। हमारे एंकर लक्ष्य देवगन और प्रियांशी मित्तल ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और इसकी भूमिका के बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया। इसके बाद ऋषिमा सक्सेना और श्रेयान सान्याल द्वारा एक जानकारी पूर्ण और ऊर्जावान रैप प्रदर्शन किया गया। क्लब के सदस्यों ने एक सार्थक और उत्साही नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। मंच पर नाटक ने बेहतर गुणवत्ता वाले मानक उत्पादों के महत्व पर प्रकाश डाला।

ध्रुव लोहिया और यश ठाकुर ने एक स्व-रचित कविता सुनाई कि कैसे बीआईएस उत्पादों की गुणवत्ता और स्थायित्व और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
भारतीय मानक ब्यूरो के सम्मानित अतिथि ने बीआईएस के महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में बीआईएस द्वारा जारी किए जाने वाले मानकों के प्रकार और संरचनाओं के बारे में कुछ बहुमूल्य जानकारी दी। उन्होंने दर्शकों को बीआईएस वेबसाइट और उसके केयर ऐप के बारे में भी शिक्षित किया।
तत्पश्चात विभिन्न मानकों एवं योजनाओं पर आधारित जागरूकता प्रश्नोत्तरी का सफल आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने बहुत रुचि और उत्साह दिखाया। उनके प्रयासों की सराहना करने के लिए कई आकर्षक उपहार दिए गए। कार्यक्रम का समापन हमारी आदरणीय प्रधानाचार्या महोदया, वरिष्ठ समन्वयक महोदय और बीआईएस से श्री डी.के. नैय्यर द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

20 जुलाई 2023 को आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विषय:

1.कक्षा 9- लैंगिक समानता लागू करें

2. कक्षा 10- सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा विकसित करें

3. कक्षा 11- उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे को बढ़ाएं

4. कक्षा 12- सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा विकसित करें

शिक्षक दिवस समारोह

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार की विद्यार्थी परिषद ने स्कूल के अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए "रहनुमा"- एक शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया। आदरणीय प्रधानाचार्या महोदया, माननीय समन्वयकों और शिक्षकों का छात्रों द्वारा सृजन- विद्यालय की कला सोसाइटी द्वारा बनाए गए पेन और हस्तनिर्मित बुकमार्क के साथ स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद स्कूल की भारतीय संगीत सोसायटी, सप्तक द्वारा शानदार संगीत प्रस्तुत किया गया । इसके बाद मेटावर्स- विद्यालय की आईटी सोसाइटी ने शिक्षकों के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। शिक्षकों का मनोरंजन करने के लिए, विद्यार्थी परिषद ने 'गेस हू?' नामक एक खेल का आयोजन किया, जिसने सभागार को उत्साह से भर दिया। खेल के बाद विद्यालय की वेस्टर्न म्यूजिक सोसायटी - क्रिसेंडो द्वारा संगीत का शानदार प्रदर्शन किया गयां। मयूर विहार के पूर्व छात्रों ने एक भावनात्मक वीडियो के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया |

विशेष असेंबली कक्षा-4

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार रिपोर्ट-क्लास असेंबली क्लास-4बी टॉपिक-जी20 दिनांक- 20.09.2023 (मंगलवार) टीचर इनचार्ज- सुश्री चेष्टा अरोड़ा भारत की जी20 की अध्यक्षता को देखते हुए छात्रों ने एक आम सभा प्रस्तुत की, छात्रों ने ऐतिहासिक बातें साझा कीं , इस के बाद G20 का एक गीत और प्रश्नोत्तरी हुई । छात्रों ने जी20 में अपनी रुचि प्रदर्शित करते हुए विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देकर प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं को दोहराया गया कि कैसे भारत वैश्विक सहयोग और बेहतर पर्यावरण के लिए जैव ईंधन की भारत की पहल की प्रतिज्ञा करता है। छात्रों ने G20 में भाग लेने वाले सभी देशों के राष्ट्रीय झंडे दिखाकर सभा का समापन किया।

अंतर- सदन हास्य कविता प्रतियोगिता

कक्षा - 2 से 4

दिनाँक - 13 सितम्बर 2023

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल मयूर विहार के सभागार में दिनाँक 13 सितम्बर 2023 को अंतर-सदन हास्य कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में कक्षा 2 से 4 के छात्रों ने भाग लिया। सभी बच्चों का उत्साह देखने लायक था | बच्चे अंतर-सदन प्रतियोगिता के अंतर्गत अपनी कविताओं के साथ मंच पर सुसज्जित थे । उन्होंने ऑनलाइन शिक्षण ,स्वच्छता के महत्व , पति -पत्नी के नोंक झोंक और भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर रोचक कविताएँ प्रस्तुत की। इस अंतर सदन प्रतियोगिता में पावनी सदन ने प्रथम और मन्दाकिनी सदन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में आदरणीया प्रधानाचार्या जी ने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया एवं उनके प्रयास की प्रशंसा की । प्रतियोगिता में तृतीय स्थान अलकनंदा और भागीरथी सदन में प्राप्त किया |

विशेष प्रार्थना सभा

दिनाँक -14 सितंबर 23

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल मयूर विहार के प्रांगण में दिनाँक 14 सितंबर 2023 को कक्षा दो "अ" के छात्रों द्वारा एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया ।

प्रार्थना सभा का आरंभ ईश्वर की प्रार्थना से हुआ। इसके बाद बच्चों ने आज का शुभ विचार और दैनिक समाचार हिंदी भाषा में प्रस्तुत किए। संस्कृत के श्लोक के साथ छात्रों द्वारा एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। लघु नाटिका के द्वारा हिंदी भाषा के सम्मान का संदेश दिया गया। प्रधानाचार्या महोदया ने हिंदी दिवस के अवसर पर छात्रों को संबोधित किया। हिंदी की अध्यापिकाओं द्वारा हिंदी के इतिहास पर प्रकाश डाला गया और हिंदी के प्रचार और सम्मान की चर्चा की गई। छात्रों ने नृत्य और गायन के द्वारा हिंदी दिवस को विशेष प्रार्थी सभा को और अधिक सुशोभित कर दिया।

'फन डे' कार्यक्रम

''खुशी आत्मिक मित्रों के साथ साझा किए गए आनंदमय अनुभवों का एक संग्रह है।"

माननीया चेयरपर्सन डॉ. अमिता चौहान मैम के सम्मानित मार्गदर्शन में, ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार के प्रांगण में दिनांक 20 - 21 सितंबर, (कक्षा I और IV) 'फन डे' कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जो उत्साह, खुशी और उल्लास से भरा दिन था।जिसमें पूरा स्कूल सुंदर और आकर्षक ढंग से सजाया गया था। यह मौज -मस्ती, सीखने और मनोरंजन से भरी गतिविधियों से भरा दिन था। कार्यक्रम की शुरुआत रस्साकशी, बत्तख दौड़, रिंग गेम और दौड़ से हुई, छात्र अपनी बांहों और हाथों पर बने टैटू, सेल्फी कॉर्नर और कलाकृति से उत्साहित हुए। स्टैक अटैक, कुकी फेस, बैक-टू-बैक स्टैंड और मेमोरी गेम दिन की अन्य गतिविधियाँ थीं। एक और मुख्य आकर्षण 'म्यूजिकल चेयर' था।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच प्यार और स्नेह को बढ़ावा देना और टीम निर्माण, नेतृत्व, अच्छी खेल भावना, दृढ़ संकल्प, समस्या समाधान और समन्वय जैसे कौशल विकसित करना था और यह निश्चित रूप से हुआ।लज़ीज़ नाश्ता और हर बच्चे के लिए एक उपहार भी तैयार किया गया था | यह संजोने लायक यादों वाला एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला दिन था।

कार्यक्रम में प्राथमिक समन्वयक, सुश्री जसलीना कोहली और कार्यक्रम समन्वयक, सुश्री सुनीता चोपड़ा की उपस्थिति रही, जिन्होंने छात्रों को पुरस्कारों से पुरस्कृत किया साथ ही बच्चों को अपना उत्साह बनाए रखने के लिए प्रेरित किया |

जन्माष्टमी कक्षा 4

'कृष्ण की दिव्य यात्रा का जश्न'

सितंबर 2023, बुधवार कक्षा 4 के छात्र कृष्ण की दिव्य यात्रा का जश्न मनाते हुए एक सभा के साथ इस शुभ त्योहार को मनाने के लिए एकत्र हुए तो वातावरण में जन्माष्टमी की जीवंत भावना भर गई। यह कार्यक्रम भक्ति, संस्कृति और रचनात्मकता का आनंददायक मिश्रण था। सभा की शुरुआत गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई और उसके बाद दिन की बातें और समाचार सुनाए गए।

छात्रों ने कृष्ण के जीवन से जुड़े दृश्यों का मंचन किया, जिसमें उनके शरारती बचपन और महाभारत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया गया। प्रस्तुति न केवल मनोरंजक बल्कि ज्ञानवर्धक भी थी।

गायक मंडली ने भगवान कृष्ण को समर्पित एक मधुर भजन गाया। सभा में जीवंत नृत्य प्रदर्शन भी हुआ। कृष्ण, राधा और गोपियों के रूप में सजे छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

सभा का समापन भगवान कृष्ण की शिक्षाओं पर जोर देते हुए एक संक्षिप्त संदेश के साथ हुआ। समन्वयक सुश्री जसलीना कोहली मैडम ने खूबसूरती से प्रस्तुत किया और बच्चों को एक शिक्षक के रूप में भगवान कृष्ण और शिक्षकों के बीच समानता की पहचान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आंतरिक शांति और सद्भाव प्राप्त करने के लिए सभी को अपने दैनिक जीवन में इन शिक्षाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। सभा ने भगवान कृष्ण द्वारा प्रदान किए गए शाश्वत ज्ञान और मूल्यों की याद दिलाई, जिससे हम सभी को प्रेम, धार्मिकता और निस्वार्थ कर्म द्वारा निर्देशित जीवन के लिए प्रयास करने की प्रेरणा मिली।

हमारे मार्गदर्शक

2 सितंबर, 2023 को ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार में बड़े उत्साह के साथ "Our Guiding Lights!"मनाया गया। ग्रेड I के छात्रों ने इस उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया, और प्रभावी विषयगत प्रस्तुतियों, नैतिक कहानियों, संगीत और नृत्य नाटिका के माध्यम से उन्होंने सबसे अधिक प्रेम करने वाली आत्माओं का सम्मान किया। प्रस्तुति की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और श्लोकोच्चारण के साथ हुई। इसके बाद मेहमानों का स्वागत प्रेम के प्रतीक के रूप में एक पौधा देकर किया गया।

दादा-दादी और नाना-नानी का सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान उनके द्वारा दिया जाने वाला भावनात्मक समर्थन और शर्तरहित प्यार है। सक्रिय और व्यस्त जीवन बनाए रखकर, वे अपने पोते-पोतियों को बड़े होने के साथ-साथ उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के महत्व को दिखाते हैं। इसका पोते-पोतियों पर स्थायी प्रभाव पड़ सकता है, जो उन्हें जीवन भर अपने स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेगा। पारिवारिक मूल्यों, भाग मंत्र और वनों की कटाई के खतरनाक प्रभावों पर एक लघु नाटक के माध्यम से, हमारे विद्यालय के छात्र ने जीवन के उन गुणों को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है जो दादा-दादी और नाना-नानीशुरू से ही अपने पोते-पोतियों को प्रदान करते है । वे अपने पोते-पोतियों को एक सभ्य, सुसंस्कृत और सक्षम नागरिक बनाने का नेक कार्य करते हैं, जैसे कि हमारी प्रशंसनीय चेयरपर्सन मैडम डॉ. अमिता चौहान और हमारे माननीय संस्थापक अध्यक्ष सर श्री अशोक.के.चौहान सर पिछले कई दशकों से कर रहे हैं |

सभी ने एक शानदार कार्यक्रम का अनुभव किया, जिसमें प्रार्थना, योग, एरोबिक्स, भाषण और श्लोकों की मनमोहक प्रस्तुति शामिल थी। बच्चों ने अपने सार्थक प्रयासों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और दादा-दादी, नाना-नानी और पोते-पोतियों के रिश्ते को बखूबी प्रदर्शित किया। यह एक शानदार अनुभव और भावनाओं का एक आदर्श मिश्रण था।

प्रधानाचार्या महोदया, सुश्री मीनू कंवर ने शिक्षकों की टीम वर्क, समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए दिल से सराहना की। उन्होंने बच्चों को सद्गुणों को अपनाने और नैतिक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनके माता-पिता के साथ-साथ दादा-दादी और नाना-नानी भी खुश और संतुष्ट रहें। कुल मिलाकर, यह एक मनोरम शो और उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक यादगार दिन साबित हुआ।

स्वच्छ भारत अभियान

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार ने 29 सितंबर 2023 को स्वच्छ भारत के लिए स्वच्छता अभियान चलाया। मिडिल स्कूल समन्वय, सुश्री अंशू भटनागर और उनके संबंधित कक्षा शिक्षकों की देख रेख में कक्षा 8 के छात्रों ने इसका हिस्सा बनने के लिए स्वेच्छा से काम किया ।छात्रों ने मार्क्स, दस्ताने और कचरा बैग खरीदे और स्कूल की परिधि को साफ किया। प्रिंसिपल, सुश्री मीनू कंवर ने इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए छात्रों की इच्छा की सराहना की और उन्हें सामाजिक कार्य करने के लिए हमेशा तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया।

उपलब्धियाँ

आई एस डी एस (ISDS) वाद-विवाद उपलब्धि

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे दो छात्रों IX B की मनसिमरन कौर और IX C एशल अहमद ने फिर से राष्ट्रीय स्तर पर आईएसडीएस चैंपियनशिप क्वालीफाई की है .आईएसडीएस द्वारा आयोजित फर्स्ट आयरन पर्सन ट्रायथलॉन के शीर्ष 20 में उपलब्धि हासिल करने वालों में इन्हें स्थान दिया गया है। इससे उन्हें स्वचालित रूप से इस वर्ष विश्व वाद-विवाद चैम्पियनशिप के भारतीय वाद-विवाद दस्ते के राष्ट्रीय चयन के राउंड 2 में प्रवेश मिल जाता है।

K 12 शिक्षा समूह

वर्ष 2023-24 के K 12 शिक्षा समूह का विजेता होने के लिए ऐमिटी विद्यालय की सभी शाखाओं को हार्दिक शुभकामनाएँ । पुरस्कार ग्रहण समारोह के अवसर पर ऐमिटी समूह के सलाहकार एवं सभी ऐमिटी विद्यालयों की प्रधानाचार्या उपस्थित रहीं ।

शिक्षक दिवस

प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर ऐमिटी समूह अपने शिक्षक - गण को विभिन्न विषयों पर विचाराभिव्यक्ति का मंच उपलब्ध कराता है । इसी प्रक्रिया के अंतर्गत गत वर्ष २०२२ में अध्यापकों को दो विषय उपलब्ध कराए गए ,जिस पर सभी के विचार आमंत्रित थे।विषय इस प्रकार थे -

एक बालक के संपूर्ण विकास के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अच्छे नैतिक मूल्यों के साथ संतुलित किया जाना चाहिए - विचार कीजिए।

ऐमिटी, मयूर विहार से अंग्रेजी की अध्यापिका पारुल प्रेमी ने इस विषय पर अपने सुंदर विचार प्रकट किए ,जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निबंधकार की श्रेणी में रखा गया। इनका मानना था कि कोविड् महामारी के बाद की विकट परिस्थितियों में बच्चे अपना अधिकांश समय इंटरनेट एवं इससे जुड़े अन्य साधनों पर खर्च करने लगे हैं और उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं, जो पहले उनकी सीमा से बाहर थे। बच्चे सूचना के इस प्रभाव को संसाधित करने और अच्छे और बुरे में अंतर करने में सक्षम नहीं हैं। यहीं पर शिक्षक के रूप में हमें हस्तक्षेप करना होगा और उन्हें मजबूत नैतिक मूल्यों की आवश्यकता के प्रति सहानुभूति रखने के साथ-साथ उनके द्वारा देखी जाने वाली सामग्री के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना होगा। हमने अपने शिक्षण में ऐसे वीडियो और अभ्यास शामिल किए ,जो छात्रों को बांटने की भावना, देखभाल करने, सम्मान करने, और अपने क्रोध को नियंत्रित करने आदि के नैतिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाते हैं।

इसी कड़ी में हिंदी अध्यापिका सीमा शर्मा द्वारा लिखित निबंध को भी सर्वश्रेष्ठ निबंधों की श्रेणी में स्थान दिया गया। उनका विषय था-

क्या शिक्षण व्यवसाय को रोल मॉडल की आवश्यकता है ? अपने विचारों को अपने व्यक्तिगत अनुभवों एवं उदाहरणों के साथ प्रस्तुत कीजिए।

उनका मानना था कि शिक्षक सदैव से ही छात्र के जीवन की धुरी रहा है। हम जब भी सर्वश्रेष्ठ छात्रों की बात करते हैं तो अर्जुन के साथ द्रोणाचार्य ,करण के साथ परशुराम और चंद्रगुप्त मौर्य के साथ चाणक्य को सदैव ही याद करते हैं क्योंकि शिक्षक अपने विचारों ,कार्य ,जीवनशैली और अपनी कर्मठता से सदैव ही छात्रों को प्रभावित करता रहा है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली अपने परिवर्तनों के साथ भी शिक्षक को एक रोल मॉडल और प्रेरणा स्रोत के रूप में देखती है।छात्र अपने अध्यापक द्वारा पढ़ाए गए पाठ्यक्रम से अधिक कक्षा में उसके द्वारा प्रस्तुत जीवन उपयोगी उदाहरणों और अनुभवों को विशेष महत्त्व देते हैं। यहीं से उनके जीवन में एक रोल मॉडल का प्रवेश होता है। वह रोल मॉडल, जो अपने छात्र को किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ने के तरीके सुझाता है। जो उसे प्रेरणा देता है कि जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है।धीरे-धीरे बालक उस रोल मॉडल के दिशा निर्देशों को अपने लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण समझने लगता है।

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल मयूर विहार से सुश्री सीमा शर्मा और सुश्री पारुल प्रेमी ने हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों श्रेणियों में शिक्षक दिवस निबंध लेखन प्रतियोगिता जीती। इस उपलब्धि के लिए हमारी प्रधानाचार्या महोदया द्वारा दोनों शिक्षिकाओं को एक-एक पौधा देकर सम्मानित किया । .

ऐमिटी वसुंधरा-6 (एमिटी उत्सव) में वाद-विवाद प्रतियोगिता

स्कूल की डिबेटिंग सोसायटी के उपाध्यक्ष, XI B के लक्ष्य देवगन और XI। की छवि गौतम ने AIS, वसुंधरा-6 द्वारा आयोजित एमिटी उत्सव में 'बाउट टू नॉक' में भाग लिया।

ऐमिटी विश्वविद्यालय में विज्ञान 20 (S20) सम्मेलन का आयोजन

हमारे आदरणीय संस्थापक अध्यक्ष श्री अशोक के. चौहान सर और चेयरपर्सन डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान महोदया के कुशल मार्गदर्शन में, ऐमिटी विश्वविद्यालय ने विज्ञान 20 (S20) सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में सभी ऐमिटी स्कूलों कक्षा VI से XII के और ऐमिटी विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया।

4 सितंबर 2023 को, विभिन्न अतिथि वक्ताओं ने "स्टार्टअप के माध्यम से नवाचार और स्थिरता" पर गोलमेज़ चर्चा के माध्यम से और व्यक्तिगत रूप से बोलकर S20 के बारे में जागरूकता पैदा की। माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अतिम 10 मिनट तक चल रहे स्टार्टअप सत्र का अवलोकन किया और फिर एक प्रेरक भाषण भी दिया।

5 सितंबर 2023 को, सभी को सार्वभौमिक समग्र स्वास्थ्य के महत्व और "विज्ञान और संस्कृति में मीडिया की भूमिका" के बारे में जागरूक किया गया।

छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, 4 सितंबर 2023 को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, 5 सितंबर 2023 को एक वाद-विवाद प्रतियोगिता और यहां तक कि दोनों दिन एक विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में प्रस्तुत की गई 2 परियोजनाएँ हैं:
1. प्रोजेक्ट- कक्षा 9A के शाश्वत प्रेम नारंग द्वारा "सेफमेट- लाइफ सिक्योरिंग हेडशेल"
2. प्रोजेक्ट- कक्षा 9D के आश्रित दास द्वारा "सेफ ट्रैक्स"।

हमारे छात्रों ने 5 सितंबर 2023 को आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में तीसरा पुरस्कार और वरिष्ठ वर्ग में दूसरा पुरस्कार जीता था।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में विजेताओं का विवरण इस प्रकार है:
जूनियर वर्ग- · रसेश शर्मा – 8D और कैरावी बुद्धिराजा – 6B
वरिष्ठ वर्ग- · अनीशा सहगल – 11C और लक्ष्य देवगन – 11B

हिंदी दिवस काव्य सम्मेलन

हिंदी दिवस के अवसर पर सुश्री सुष्मिता मैम ने पुष्प विहार में आयोजित काव्य सम्मेलन में स्वरचित कविता वाचन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है।

निबंधावली प्रतियोगिता

संस्थापिका जी के आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन द्वारा ही छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि जागृत करने और वर्तनी , उच्चारण आदि पर बल देकर भाषा को सशक्त करने हेतु ऐमिटी संस्थान में समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसी क्रम में छात्रों के भाव अभिव्यक्ति कौशल को बल देने के लिए निबंधावली प्रतियोगिता का आयोजन ऐमिटी पुष्प विहार द्वारा 29. 9.2023 को किया गया। कुल ३० मिनट की लेखन प्रवाह प्रतियोगिता के उपरान्त छात्रों ने प्रदत विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त किए। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा।

ऐमिटी मयूर विहार की दसवीं की श्रेया चंद को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

डीओ ई खेल उपलब्धियाँ

जोन-II, जिला। पूर्व, डीओई, खेल शाखा, सरकार। एनसीटी, दिल्ली ने सत्र 2023-34 के लिए जोनल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें हमारे स्कूल ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और उन सभी श्रेणियों और खेलों में स्थान हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया। प्रतियोगिताओं की तारीखें: 29 अगस्त से 19 सितंबर 2023

स्थान: जोन-II जिले के अंतर्गत विभिन्न स्कूल (पूर्व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स)ईस्ट विनोद नगर की उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

1 शतरंज सब जूनियर लड़कियाँ तृतीय। सब जूनियर लड़के प्रथम।
जूनियर लड़के तृतीय। जूनियर बालिका प्रथम।
सीनियर लड़कियाँ – प्रथम , सीनियर लड़के -प्रथम.

2 बास्केटबॉल सब जूनियर लड़के तृतीय। जूनियर लड़के तृतीय।
जूनियर लड़कियाँ प्रथम। सीनियर लड़कियाँ द्वितीय।

3 फुटबॉल सब जूनियर लड़कियां प्रथम। सीनियर लड़कियाँ प्रथम.

4 टेबल टेनिस जूनियर लड़के प्रथम, जूनियर लड़कियाँ तृतीय।

5 बैडमिंटन सब जूनियर लड़कियां द्वितीय

ऐमिटी मयूर विहार के छात्रों द्वारा डॉ.ए.के. सिंह (डीआरडीओ)के समक्ष अभिनव परियोजना प्रस्तुति

संपादक: पूनम त्यागी

सहायक: शांतम नियोगी (10B)